>

Title : Regarding talks between the Prime Ministers of India and Pakistan .

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, आपकी अनुमति से मैं सदन का ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण घटनाक्रम की तरफ आकृष्ट करना चाहती हूं। भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ताओं के दौर अनेक बार चले हैं। हर सरकार के शासनकाल में चले हैं। सरकार चाहे किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, किसी भी राजनीतिक गठबंधन की रही हो, भारत इस बात पर अडिग रहा है कि आतंकवाद पर चर्चा किये बिना पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। आगरा शिखर वार्ता के टूटने का प्रमुख कारण यही था कि सदरे पाकिस्तान चाहते थे कि कश्मीर को कोर इश्यु मानकर हम चर्चा करें। लेकिन भारत की तरफ से कह दिया गया कि जब तक सीमा पार आतंकवाद पर चर्चा नहीं होगी, बातचीत आगे नहीं बढ़ेगी। पूरे पांच साल तक यूपीए सरकार भी यह कहती रही कि बिना आतंकवाद पर चर्चा किये पाकिस्तान से बातचीत करना बेमानी है। 26/11 की घटना के बाद सरकार का रुख और भी कड़ा हो गया। यह स्वाभाविक था, क्योंकि वह कोई साधारण आतंकवादी घटना नहीं थी, बल्कि वह भारत पर परोक्ष रुप से किया गया एक हमला था। सदन को बार-बार आश्वस्त किया गया कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादी ठिकानों को खत्म नहीं कर देता, हम बातचीत के लिए आगे नहीं बढ़ेंगे। अभी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री जी ने सदन को कहा कि अगर भारत-पाक वार्ता होगी तो पाकिस्तान यदि दो कदम आगे बढ़ेगा तो भारत अपनी ओर से दो कदम आगे बढ़कर आधे रास्ते मिलने के लिए तैयार होगा। लेकिन मुझे समझ में नहीं आता कि कल अचानक क्या घटा? क्यों सरकार 26/11 की घटना की भयावहता को भूल गई, क्यों सरकार देश के संकल्प को भूल गई, क्यों सरकार संसद को दिए गए आश्वासन को भूल गई? कल शाम को हमें यह समाचार मिला कि भारत आतंकवाद को एक तरफ रखकर कम्पोजिट डॉयलाग यानी समग्र वार्ता के लिए राजी हो गया है।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): It is not true. It is not like thatâ€¦ (*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, इसीलिए मैं सुबह-सुबह आपसे मिलने के लिए गई और मैंने आपसे निवेदन किया कि मैं इस बात को यहां उठाना चाहती हूं। अगर संसदीय कार्य मंत्री कहते हैं कि यह बात ऐसी नहीं है तो मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करती हूं कि आज ही सरकार इस पर बयान दे और स्थिति को स्पष्ट करे।

मैं यहां एक बात और कहना चाहती हूं कि संसद की यह परम्परा रही है कि जब-जब प्रधानमंत्री संसद के चलते विदेश जाते हैं तो उनकी विदेश यात्रा के ऊपर बाकायदा एक औपचारिक वक्तव्य सदन में दिया जाता है और सदन को विश्वास में लिया जाता है कि बाहर क्या-क्या बातें हुईं। इस बार प्रधान मंत्री जहां-जहां गए हैं, उनमें से बहुत से विषय उपजे हैं। अभी एक दिन पहले श्री बसुदेव आचार्य ने जी-8 का मामला उठाया था और मैंने अपनी पार्टी की तरफ से उससे सम्बद्ध किया था। मैं यह भी चाहती हूं कि संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं, एक बयान तो प्रधानमंत्री जी की तमाम विदेश यात्राओं के बारे में यहां आना चाहिए, हम उस पर चर्चा करना चाहेंगे। लेकिन जो बात मैं भारत-पाक वार्ता के संबंध में पहले उठा रही थी, वह स्थिति को बहुत गम्भीर बना रही है। इसलिए हम उस औपचारिक बयान का इंतजार नहीं कर सकते। आज ही संसदीय कार्य मंत्री बतायें कि कितने बजे सरकार की तरफ से यहां बयान दिया जायेगा। कल से देश चिंतित है और इस गम्भीर चिंता का समाधान करते हुए कौन सा बयान आप कितने बजे देना चाहेंगे। मैं चाहूंगी कि इस बारे में सरकार स्थिति स्पष्ट करे।

श्री पवन कुमार बंसल : महोदया, क्योंकि साढ़े तीन से लेकर छः बजे तक प्राइवेट मैम्बर्स बिजनेस होगा। उससे पहले सवा तीन बजे इस पर एक स्टेटमैंट जरूर दे दी जायेगी। हमारा प्रयास यह रहेगा कि दोनों विषय लम्बे हैं। अगर एक स्टेटमैंट हो पाई, ठीक होगा अगर एक नहीं हो पाई तो भी भारत-पाक वार्ता पर सवा तीन बजे एक स्टेटमैंट आज यहां जरूर दे दी जायेगी।